



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	02.06.2020	04	02-03



पराबैंगनी विकिरण आधारित कागजात कीटाणुशोधन प्रणाली का जायजा लेते हुए एचएयू कुलपति प्रो. के.पी. सिंह व अन्य।

एचएयू के वैज्ञानिकों ने अल्ट्रा वायलेट विकिरण आधारित प्रणाली तैयार की, कागज होंगे सेनेटाइज बोले-कोरोना वायरस से बचाव में भी मिलेगी मदद

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने कुलपति डॉ. केपी सिंह के निर्देश पर कोरोना से बचाव के मद्देनजर अल्ट्रा वायलेट विकिरण आधारित प्रणाली मात्र पांच हजार रुपये में विकसित की है। मशीन को फिलहाल कुलपति डॉ. केपी सिंह के कार्यालय में लगाया गया है। मात्र 10 मिनट में ही मशीन के माध्यम से कागजों को सेनेटाइज कराया जा सका। यदि कागजों पर कोई कीटाणु है तो वह मशीन में

डालने के बाद खत्म हो सकेंगे। कुलपति ने भी वैज्ञानिकों के प्रयास की सराहना की है। दरअसल, एचएयू के कार्यालय में काम शुरू कर दिया गया है। कागजातों के बाहर से आने के कारण कोरोना का खतरा भी बना रहता है। कागजात के सेनेटाइज कराने के लिए कुलपति ने विशेष प्रकार की प्रणाली विकसित करने के निर्देश दिए थे। पहले हो चुकी रिसर्च के अनुसार, अल्ट्रा वायलेट (पराबैंगनी) विकिरण विशेषकर अल्ट्रा वायलेट-सी सूक्ष्म जीवों को नष्ट करने में सक्षम होती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	02.06.2020	01	02-06

बैठक ना होने से विवि का बजट तय नहीं

कर्मचारियों के वेतन के लिए डिमांड भेज रहे विवि प्रशासन के अधिकारी, इस बार राशि में कटौती भी संभव

वैभव शर्मा • हिसार

कोरोना ने इंडस्ट्रीज और नौकरियों पर ही घात नहीं लगाई बल्कि सरकारी मशीनरी भी प्रभावित है। आम दिनों में प्रदेश में उच्च शिक्षण संस्थानों को अप्रैल तक बजट जारी भी कर दिया जाता था, मगर इस बार हालात कुछ और हैं। नया वित्तीय वर्ष शुरू होने के दो माह बीतने के बावजूद कई विश्वविद्यालयों में अभी तक बोर्ड की बैठक ही नहीं हो सकी है। इसमें से अधिकांश राज्य सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले सरकारी विश्वविद्यालय हैं। बजट न मिलने के कारण कुछ विश्वविद्यालयों में स्टाफ के वेतन के लिए भी बजट की डिमांड कर ली है। खास बात यह है कि कई स्थानों पर तो अभी तक रेगुलर फाइनेंस कमेटी की बैठक भी नहीं हो सकी है। बिना इस बैठक के आगे बजट किसी भी विश्वविद्यालय के लिए जारी ही नहीं होता। सूत्रों की मानें तो आगे चलकर इस बार बजट में कटौती भी हो सकती है।

दरअसल हरियाणा सरकार ने बजट की घोषणा पहले ही कर दी, मगर इस बार कोरोना के कारण लॉकडाउन हो गया। अब लॉकडाउन काफी स्तर तक खोल दिया है, मगर अभी तक सरकारी मशीनरी पूरी तरह से काम के लिए लौट नहीं पाई है।



हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार। • जागरण

जून माह में निकल सकती है कोई राह

अप्रैल और मई माह बीतने के बाद कुछ विश्वविद्यालयों ने बजट के लिए सरकार को पत्र लिख भी दिया है। सभी को उम्मीद है कि जून माह में बोर्ड की मीटिंग बुलाई जाएगी। जिसके बाद बजट पर चर्चा होगी। इस बार सरकार ने सभी विवि को बजट अच्छा जारी किया था। कोरोना से आर्थिक हालात अधिक अच्छे नहीं हैं। सबसे पहले रेगुलर फाइनेंस कमेटी में सरकार की घोषणा के अनुरूप बजट अलॉट किया जाता है। इसके बाद विश्वविद्यालय के बोर्ड या कोर्ट की बैठक होती है जिसमें बजट को पुटअप किया जाता है।

प्रदेश के पांच बड़े विश्वविद्यालयों को बजट की दरकार

1. चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि अभी तक बोर्ड की बैठक नहीं हुई है। पहले करीब 600 करोड़ रुपये बजट था, इस बार 700 करोड़ रुपये के करीब बजट की घोषणा हुई है। बोर्ड के सदस्य हालात व परिस्थिति के अनुकूल ही रणनीति तैयार करेंगे। अभी तक सभी टीचिंग व नॉन टीचिंग स्टाफ को समय से वेतन दिया जा रहा है।

3. लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विवि, हिसार

कुलपति डा. गुरदियाल सिंह ने बताया कि बोर्ड की बैठक अभी तक नहीं हुई है। क्योंकि लॉकडाउन में सब कुछ बंद था। सरकार की तरफ से इस बार करीब 140 करोड़ के आसपास बजट की घोषणा की गई है। सरकार के आदेशों का इंतजार किया जा रहा है। मई महीने का वेतन अभी जारी नहीं हुआ है।

4. चौधरी देवी लाल विवि, सिरसा

कुलपति आरबी सोलंकी ने बताया कि यहां पर भी लॉकडाउन के कारण अभी तक कोर्ट की मीटिंग नहीं हो पाई है। क्योंकि कोर्ट की मीटिंग से पहले रेगुलर फाइनेंस कमेटी की बैठक होती है। मगर यह बैठक किसी कारणवश नहीं हो सकी। ऐसे में हमने 6 जून को एडहॉक कोर्ट कमेटी की बैठक बुलाई है ताकि वेतन आदि खर्च पुरे किए जा सकें।

2. गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि, हिसार

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि अप्रैल में बजट जारी हो जाता है। लॉकडाउन के कारण अभी तक बोर्ड की बैठक नहीं हो सकी है। सरकार से मई व जून माह के बजट की डिमांड की है। सरकार के आगामी आदेशों का इंतजार किया जा रहा है।

5. चौधरी रणवीर सिंह यूनिवर्सिटी, जींद

कुलपति आरबी सोलंकी ने बताया कि रेगुलर फाइनेंस कमेटी की बैठक न हो पाने के कारण अभी तक कोर्ट की बैठक नहीं हुई है। हमने खर्च के लिए अलग से अप्रूवल ले रखी है। इस बार उम्मीद है कि बजट में कटौती हो।

एनडीआरआइ प्रदेश में पहले गुजवि आठवें पायदान पर

जेएनएन. हिसार : एजुकेशन वर्ल्ड की ओर से देश के 150 विवि का सर्वे किया गया। इसमें कुल 1300 अंक निर्धारित किए गए थे। इसमें राष्ट्रीय स्तर पर करनाल स्थित राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआइ) को 46वां स्थान मिला है। प्रदेश में यह पहले नंबर पर है। एनडीआरआइ को 860 अंक मिले। इसमें प्रदेश के आठ विवि को जगह मिली है। मानेसर स्थित नेशनल ब्रेन रिसर्च सेंटर (एनबीआरसी) विवि राष्ट्रीय स्तर पर 48वें स्थान पर रहा है। प्रदेश में दूसरे स्थान पर है। सोनीपत स्थित निप्टेम विवि 66 अंक लेकर देश में 68वें और प्रदेश में तीसरे स्थान पर है। प्रदेश में 810 अंकों के चौथे स्थान पर ए-प्लस ग्रेड का दर्जा हासिल कुवि है। इसे राष्ट्रीय स्तर पर 68वां रैंक मिली है। गुजवि इस रैंकिंग में आठवें स्थान पर है। देशभर में इसे 114वां स्थान मिला है। सर्वे में कुल अंकों में से 698 अंक मिले हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	02.06.2020	01	02-06

शोध

कोरोना वायरस के चलते एचएयू के वैज्ञानिकों ने विकसित की विकिरण आधारित कीटाणु शोधन प्रणाली

10 मिनट में कागजातों को कीटाणु रहित कर देगा उपकरण

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अब कागज की फाइलों को भी डिस्इंफेक्ट किया जा सकेगा। विवि के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिकों इंजी सुनील कुमार और डॉ. अरुण कुमार अटकान ने इसके लिए एक अल्ट्रा वायलेट (पराबैंगनी) विकिरण आधारित कागजात कीटाणु शोधन प्रणाली विकसित की है।

पूर्व अनुसंधान के अनुसार, अल्ट्रा वायलेट (पराबैंगनी) विकिरण विशेषकर अल्ट्रा वायलेट-सी सूक्ष्म जीवों को नष्ट करने में सक्षम होती है। कुलपति प्रो. केपी सिंह के दिशा-निर्देश और मौलिक विज्ञान एवं

मानविकी महाविद्यालय के सहयोग से बना यह उपकरण विकिरण द्वारा कागजातों का कीटाणु शोधन लगभग 10 मिनट में कर देता है। वर्तमान में इस उपकरण को विश्वविद्यालय के कुलपति कार्यालय में स्थापित किया गया है। इसके निर्माण में 5000 रुपये के लगभग खर्च आया है।

कागजातों को भी कीटाणु रहित करना जरूरी : विवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि कोरोना के कारण लोगों द्वारा अपनी जीवन शैली में बदलाव के साथ सार्वजनिक स्थानों



कीटाणुशोधन प्रणाली का जायजा लेते कुलपति प्रो. केपी सिंह व अन्य।

पर कामकाज के दौरान सावधानी रखना आवश्यक है। सार्वजनिक कार्यालयों में कागजातों का आवागमन इस बीमारी के

संक्रमण का कारण बन सकता है। अतः इन कागजातों का कीटाणु शोधन बहुत आवश्यक है। उन्होंने इस 'अल्ट्रा वायलेट विकिरण आधारित कागजात कीटाणु शोधन प्रणाली' की सराहना की और इस उपकरण के इस्तेमाल को कोरोना से बचाव में उपयोगी बताया। इस दौरान विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एमके गर्ग, कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरके झोरड़ एवं एसपीएस सुरेंद्र सलूजा भी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	02.06.2020	11	01

स्वबर् संक्षेप



हिसार। पराबैंगनी विकिरण आधारित कागजात कीटाणुशोधन प्रणाली का जायजा लेते हुए कुलपति प्रो. केपी सिंह व अन्य।

कागजात कीटाणुशोधन प्रणाली की विकसित

हिसार। कोरोना वायरस एक वैश्विक महामारी है तथा इसके उपचार सम्बंधित अनुसंधान विश्वभर में जारी है। वर्तमान समय में केवल बचाव ही इस बीमारी का इलाज है। इस कारण लोगो द्वारा अपनी जीवन शैली में बदलाव के साथ-साथ सार्वजनिक स्थानों पर कामकाज के दौरान सावधानी रखना आवश्यक है। सार्वजनिक कार्यालयों में कागजातों का आवागमन इस बीमारी के संक्रमण का कारण बन सकता है। अतः इन कागजातों का कीटाणुशोधन जरूरी है। पूर्व अनुसंधान के अनुसार, अल्ट्रा वायलेट पराबैंगनी विकिरण विशेषकर अल्ट्रा वायलेट-सी सूक्ष्म जीवों को नष्ट करने में सक्षम होती है। हकूवि कुलपति प्रो. केपी सिंह जी के दिशा-निर्देश अनुसार, एक अल्ट्रा वायलेट विकिरण आधारित कागजात कीटाणुशोधन प्रणाली का विकास किया गया है। यह उपकरण विकिरण द्वारा कागजातों का कीटाणुशोधन लगभग 10 मिनट में कर देता है। वर्तमान समय में इस उपकरण को विश्वविद्यालय के कुलपति कार्यालय में स्थापित किया गया है। इसके निर्माण में 5000 रूपए के लगभग खर्च आया है। इस उपकरण का निर्माण कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिको इंजी सुनील कुमार और डॉ. अरुण कुमार अटकान द्वारा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सहयोग से किया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	02.06.2020	05	03-04

कोरोना से बचने के लिए हकृवि में मशीन स्थापित

अल्ट्रावायलेट किरणों से सेनेटाइज होंगी फाइलें

5 हजार रुपये आई लागत, 10 मिनट में सेनेटाइज

हिसार, 1 जून (निस)

कोरोना से कर्मचारियों को बचाने के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) ने कार्यालयों में अल्ट्रा वायलेट विकिरण आधारित कागजात कीटाणुशोधन प्रणाली विकसित की है। मात्र 5 हजार रुपए खर्च कर तैयार की गई इस मशीन से 10 मिनट में ही पूरी फाइल सेनेटाइज हो जाएगी। पहली मशीन कुलपति कार्यालय में स्थापित किया गया है, जबकि और मशीनें तैयार करने का काम जारी है। सार्वजनिक कार्यालयों में फाइलों के आने-जाने से बीमारी का संक्रमण फैल सकता है। इसलिए फाइलों का सेनेटाइज होना आवश्यक है। इसके लिए अल्ट्रा वायलेट-सी सूक्ष्म जीवों को नष्ट करने में सक्षम होती हैं। अल्ट्रा वायलेट विकिरण उपकरण का



हिसार में सोमवार को कुलपति कार्यालय में फाइलों को सेनेटाइज करने के लिए लगाई गई मशीन। निस निर्माण कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिक इंजीनियर सुनील कुमार व डॉ. अरुण कुमार अटकान ने मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सहयोग से किया है। वहीं कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि यह मशीन कोरोना से बचाव में उपयोगी है। यह मशीन फाइलों को 10 मिनट में सेनेटाइज कर देता है।



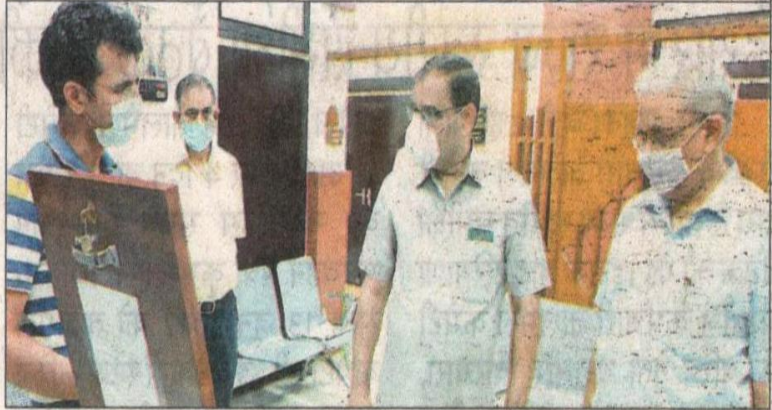
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	02.06.2020	01	06-08

हकृवि में अल्ट्रा वायलेट विकिरण आधारित कागज कीटाणुशोधन प्रणाली विकसित की

हिसार, 1 जून (ब्यूरो): कोरोना वायरस एक वैश्विक महामारी है तथा इसके उपचार सम्बंधित अनुसंधान विश्वभर में जारी है। इस कड़ी में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने एक अल्ट्रा वायलेट विकिरण आधारित कागजात कीटाणुशोधन प्रणाली का विकास किया गया है। यह उपकरण विकिरण द्वारा कागजातों का कीटाणुशोधन लगभग 10 मिनट में कर देता है।

वर्तमान समय में इस उपकरण को विश्वविद्यालय के कुलपति कार्यालय में स्थापित किया गया है। इसके निर्माण में 5000 रुपए के लगभग खर्च आया है। इस उपकरण का निर्माण कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिकों इंजी सुनील कुमार और डॉ. अरुण कुमार अटकान



पराबैंगनी विकिरण आधारित कागजात कीटाणुशोधन प्रणाली का जायजा लेते हुए कुलपति प्रो. के.पी. सिंह व अन्य।

द्वारा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सहयोग से किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने इस 'अल्ट्रा वायलेट विकिरण आधारित कागजात कीटाणुशोधन प्रणाली' की सराहना की और इस उपकरण के इस्तेमाल को कोरोना वायरस

से बचाव में उपयोगी बताया। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता का कहना है कि सार्वजनिक कार्यालयों में कागजातों का आवागमन इस बीमारी के संक्रमण का कारण बन सकता है। इन कागजातों का कीटाणुशोधन बहुत आवश्यक है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	01.06.2020	04	03-05

कोरोना वायरस से बचाव हकृवि में अल्ट्रा वायलेट विकिरण आधारित कागजात कीटाणुशोधन प्रणाली विकसित की गई

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। कोरोना वायरस एक वैश्विक महामारी है तथा इसके उपचार सम्बंधित अनुसंधान विश्वभर में जारी है। वर्तमान समय में केवल बचाव ही इस बीमारी का इलाज है। इस कारण लोगो द्वारा अपनी जीवन शैली में बदलाव के साथ-साथ सार्वजनिक स्थानों पर कामकाज के दौरान सावधानी रखना आवश्यक है। सार्वजनिक कार्यालयों में कागजातों का आवागमन इस बीमारी के संक्रमण का कारण बन सकता है। अतः इन कागजातों का कीटाणुशोधन बहुत आवश्यक है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एक अल्ट्रा वायलेट विकिरण आधारित कागजात कीटाणुशोधन प्रणाली का विकास किया गया है। यह उपकरण विकिरण द्वारा कागजातों का कीटाणुशोधन लगभग 10 मिनट में कर देता है। वर्तमान समय में इस उपकरण को कुलपति कार्यालय में स्थापित किया गया है। इसके निर्माण में 5000 रूपए के लगभग खर्च



हिसार। पराबैंगनी विकिरण आधारित कागजात कीटाणुशोधन प्रणाली का जायजा लेते हुए कुलपति प्रो. के.पी. सिंह व अन्य।

आया है। इस उपकरण का निर्माण कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिक सुनील कुमार और डॉ. अरुण कुमार अटकान द्वारा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सहयोग से किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह जी ने इस 'अल्ट्रा वायलेट विकिरण आधारित कागजात कीटाणुशोधन प्रणाली' की

सराहना की और इस उपकरण के इस्तेमाल को कोरोना वायरस से बचाव में उपयोगी बताया। इस दौरान विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.के. गर्ग, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कम्बोज, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर.के. झोरड़ एवं एसपीएस श्री सुरेंद्र सलूजा भी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	30.05.2020	--	--

एचएयू में टिड्डी प्रकोप व नियंत्रण पर राष्ट्रीय वेबिनार हुआ आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। अफ्रीका एवं एशिया के कुछ देशों में रेगिस्तानी टिड्डियों के बढ़ने एवं टिड्डी दल बनने से कृषि पर एक गंभीर खतरा बना हुआ है। खाद्य एवं कृषि संगठन, रोम के अनुसार अनुकूल परिस्थिति के कारण टिड्डियों का प्रजनन 400 गुना बढ़ गया है। भारत में टिड्डियों का प्रजनन ग्रीष्म ऋतु में होता है जबकि टिड्डियों के दल शरद एवं बसंत ऋतु में प्रजनन योग्य स्थानों से भारत में घुस जाते हैं। पिछले 15 से 20 दिनों में विभिन्न टिड्डी दल राजस्थान में दाखिल हो गये हैं तथा वहां से गुजराज, मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र के कुछ हिस्से में फैल गये हैं।

इस बहुभक्षी कीट की समस्या को ध्यान में रखते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय



हिसार। टिड्डियों पर राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लेते प्रतिभागी।

के कुलपति, प्रोफेसर के.पी. सिंह, के दिशानिर्देश में कीट विज्ञान विभाग एवं शोध निदेशालय ने 29 मई को 'टिड्डियां कृषि के लिए एक गंभीर खतरा' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। प्रोफेसर के.पी. सिंह ने टिड्डियों की वर्तमान एवं आगामी स्थिति को

देखते हुए गंभीर चिंता व्यक्त की एवं वैज्ञानिकों एवं प्रसार कार्यकर्ताओं को सतर्क रह कर तैयार रहने का निर्देश दिया। वेबिनार की शुरुआत में डॉ. एस.के. सहरावत, शोध निदेशक ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं वेबिनार के विषय पर प्रकाश डाला। इस वेबिनार में

पहला व्याख्यान डॉ. के.एल.गुर्जर, डिप्टी डायरेक्टर, टिड्डी चेतावनी संस्था, डी.पी.पी.क्यू.एस., फरीदाबाद द्वारा टिड्डियों के भारत में आने से सम्बन्धित मार्गों एवं आगे के फैलाव पर दिया। डॉ. योगेश कुमार, विभागाध्यक्ष, कीट विज्ञान विभाग ने दूसरा व्याख्यान टिड्डियों की जीवन चक्र एवं प्रबंधन पर दिया। प्रत्येक व्याख्यान के बाद प्रतिभागियों ने व्याख्यानकर्ताओं के साथ विचार विमर्श किया। इस वेबिनार में 18 राज्यों से लगभग 240 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

जिसमें वैज्ञानिकगण, कृषि अधिकारी, शोधकर्ता एवं प्रसार कार्यकर्ता सम्मिलित थे। डॉ. नीरज कुमार अतिरिक्त शोध निदेशक एवं डॉ. वी. के. बत्रा, प्रोजेक्ट निदेशक भी इस वेबिनार में उपस्थित थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	01.06.2020	03	02-03

**कोरोना वायरस से बचाव हेतु एचएयू में अल्ट्रा वायलेट विकिरण
आधारित कागजात कीटाणुशोधन प्रणाली विकसित की गई**



पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 1 जून : कोरोना वायरस एक वैश्विक महामारी है तथा इसके उपचार सम्बंधित अनुसंधान विश्वभर में जारी है। वर्तमान समय में केवल बचाव ही इस बीमारी का इलाज है। इस कारण लोगो द्वारा अपनी जीवन शैली में बदलाव के साथ-साथ सार्वजनिक स्थानों पर कामकाज के दौरान सावधानी रखना

आवश्यक है। सार्वजनिक कार्यालयों में कागजातों का आवागमन इस बीमारी के संक्रमण का कारण बन सकता है। अतः इन कागजातों का कीटाणुशोधन बहुत आवश्यक है। पूर्व अनुसंधान के अनुसार, अल्ट्रा वायलेट (पराबैंगनी) विकिरण विशेषकर अल्ट्रा वायलेट-सी सूक्ष्म जीवों को नष्ट करने में सक्षम होती हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह जी के दिशा-निर्देश अनुसार, एक अल्ट्रा वायलेट विकिरण आधारित कागजात कीटाणुशोधन प्रणाली का विकास किया गया है। यह उपकरण विकिरण द्वारा कागजातों का कीटाणुशोधन लगभग 10 मिनट में कर देता है। वर्तमान समय में इस उपकरण को विश्वविद्यालय के कुलपति कार्यालय में स्थापित किया गया है। इसके निर्माण में 5000 रूपए के लगभग खर्च आया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	01.06.2020	03	01-03

हकृवि में कागजात कीटाणुशोधन प्रणाली विकसित

हिसार/01 जून/रिपोर्टर _____
कोरोना वायरस एक वैश्विक महामारी है तथा इसके उपचार सम्बंधित अनुसंधान विश्वभर में जारी हैं। वर्तमान समय में केवल बचाव ही इस बीमारी का इलाज है। इस कारण लोगों द्वारा अपनी जीवन शैली में बदलाव के साथ-साथ सार्वजनिक स्थानों पर कामकाज के दौरान सावधानी रखना आवश्यक है। सार्वजनिक कार्यालयों में कागजातों का आवागमन इस बीमारी के संक्रमण का कारण बन सकता है। अतः इन कागजातों का कीटाणुशोधन बहुत आवश्यक है। पूर्व अनुसंधान के अनुसार, अल्ट्रा वायलेट (पराबैंगनी) विकिरण विशेषकर अल्ट्रा वायलेट-सी सूक्ष्म जीवों को नष्ट करने में सक्षम होती हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह के दिशा-निर्देश अनुसार, एक अल्ट्रा वायलेट विकिरण आधारित कागजात कीटाणुशोधन प्रणाली का

विकास किया गया है। यह उपकरण विकिरण द्वारा कागजातों का कीटाणुशोधन लगभग 10 मिनट में कर देता है। वर्तमान समय में इस उपकरण को विश्वविद्यालय के कुलपति कार्यालय में स्थापित किया गया है। इसके निर्माण में 5000 रूपए के लगभग खर्च आया है। इस उपकरण का निर्माण कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिकों इंजी सुनील कुमार और डॉ. अरुण कुमार अटकान द्वारा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सहयोग से किया गया है। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने इस 'अल्ट्रा वायलेट विकिरण आधारित कागजात कीटाणुशोधन प्रणाली' की सराहना की और इस उपकरण के इस्तेमाल को कोरोना वायरस से बचाव में उपयोगी बताया। उन्होंने यह अपील भी की कि

देश के सुरक्षा चक्र को बनाये रखने में हर योगदान प्रशंसनीय व सराहनीय होता है। इस दौरान विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एमके गर्ग, कुलसचिव डॉ. बीआर कम्बोज, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरके झोरड़ एवं एसपीएस सुरेंद्र सलूजा भी उपस्थित रहे।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	30.05.2020	--	--

टिड्डी दल कृषि पर गंभीर खतरा: कुलपति

हिसार/30 मई/रिपोर्टर

अफ्रीका एवं एशिया के कुछ देशों में रेगिस्तानी टिड्डीयों के बढ़ने एवं टिड्डी दल बनने से कृषि पर एक गंभीर खतरा बना हुआ है। खाद्य एवं कृषि संगठन, रोम के अनुसार अनुकूल परिस्थिति के कारण टिड्डीयों का प्रजनन 400 गुना बढ़ गया है। भारत में टिड्डीयों का प्रजनन ग्रीष्म ऋतु में होता है जबकि टिड्डीयों के दल शरद एवं बसंत ऋतु में प्रजनन योग्य स्थानों से भारत में घुस जाते हैं। पिछले 15 से 20 दिनों में विभिन्न टिड्डी दल राजस्थान में दाखिल हो गये हैं तथा वहां से गुजरात, मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र के कुछ हिस्से में फैल गये हैं। इस बहुभक्षी कीट की समस्या

को ध्यान में रखते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग एवं शोध निदेशालय ने 'टिड्डीयां कृषि के लिए एक गंभीर खतरा' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया जिसमें प्रोफेसर केपी सिंह ने टिड्डीयों की वर्तमान एवं आगामी स्थिति को देखते हुए गंभीर चिंता व्यक्त की एवं वैज्ञानिकों एवं प्रसार कार्यकर्ताओं को सतर्क रह कर तैयार रहने का निर्देश दिया। वेबिनार की शुरुआत में डॉ. एसके सहरावत, शोध निदेशक ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं वेबिनार के विषय पर प्रकाश डाला। इस वेबिनार में पहला व्याख्यान डॉ. केएल गुर्जर, डिप्टी डायरेक्टर,

टिड्डी चेतवानी संस्था, डीपीपीक्यूएस, फरीदाबाद द्वारा टिड्डीयों के भारत में आने से सम्बन्धित मार्गों एवं आगे के फैलाव पर दिया। डॉ. योगेश कुमार, विभागाध्यक्ष, कीट विज्ञान विभाग ने दूसरा व्याख्यान टिड्डीयों की जीवन चक्र एवं प्रबंधन पर दिया। प्रत्येक व्याख्यान के बाद प्रतिभागियों ने व्याख्यानकर्ताओं के साथ विचार विमर्श किया। इस वेबिनार में 18 राज्यों से लगभग 240 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें वैज्ञानिकगण, कृषि अधिकारी, शोधकर्ता एवं प्रसार कार्यकर्ता सम्मिलित थे। डॉ. नीरज कुमार अतिरिक्त शोध निदेशक एवं डॉ. वीके बत्रा, प्रोजेक्ट निदेशक भी इस वेबिनार में उपस्थित थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	30.05.2020	--	--

स्टार्टअप करने वाले ग्राहक की इच्छाओं के अनुरूप बाजार का शोध करें: कुलपति



हिसार/30 मई/रिपोर्टर

एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर ने 'स्किल्स एंड स्टार्टअप' वेबिनार का आयोजन किया जिसमें 85 से अधिक छात्रों, किसानों, उद्यमियों, और अन्य प्रतिभागियों ने भाग लिया। कृषि में नवाचार की संभावनाओं के बारे में बताते हुए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने कहा कि एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबीक) के माध्यम से आप अपनी इनोवेशन को बाजार तक ले जा सकते हैं, इसके लिए आपको ग्राहक की इच्छाओं का ध्यान रखते हुए बाजार का शोध करना चाहिए और उसी अनुसार अपनी योजना तैयार कर अपने नवाचार को अपने रोजगार का साधन बनाना चाहिए। एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर की नोडल अफसर डॉ. सीमा रानी ने इस

कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए कहा कि परिश्रम और ज्ञान के आधार पर आज के समय कोई भी नवाचार को अपने रोजगार का साधन बना सकता है। इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम के कुलपति राज नेहरू ने एंटरप्रेन्योरशिप और नए स्टार्ट को प्रोत्साहित करते हुए एंडरसन मेडिसिन का जिक्र किया जो एक चर्चित अर्थशास्त्री हैं उनके द्वारा किए शोध के आधार पर उन्होंने बताया कि पहली शताब्दी से सतरहवीं शताब्दी में भारत अर्थव्यवस्था के संदर्भ में सभी क्षेत्रों में अग्रणी था, जिसके कारण उस समय भारत का सकल घरेलू उत्पाद 35 से 45 प्रतिशत था। यदि भारत की विभिन्नता में अक्सर तलाशे जाएं उस दौर को फिर से दोहराया जा सकता है। वेबिनार के

विशिष्ट अतिथि एसीबी इंडिया लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट दलेल सिंह ने कहा कि भारत को एक्सपोर्ट पर जोर देना चाहिए। जिसके लिए अपने देश में निर्मित उत्पादों की गुणवत्ता को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खरा उतारना होगा। उन्होंने जापान का उदाहरण देते हुए कहा कि अगर आपके उत्पाद में गुणवत्ता है तो आपको विपणन की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और लोग आपका उत्पाद बिना विलम्ब के खरीदेंगे। एबीक के सीईओ हार्दिक चौधरी ने कहा कि एग्री स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एबीक इस तरह के वेबिनार आयोजित करता रहेगा। इस वेबिनार का सफल आयोजन मनीषा मनी (मुख्य संचालक) और निशा मलिक फौगाट (सह संचालक), अर्पित तनेजा व टिवंकल मंगल के सहयोग से हुआ।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हल चल (हिसार)	01.06.2020	--	--

एचएयू में नवाचार को स्टार्टअप में कैसे परिवर्तित किया जाए : एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर

हिसार, (हिसार हलचल)
: वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण हुए लॉकडाउन की गंभीरता को देखते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह लगातार ऑनलाइन कार्यशाला व वेबीनार को बढ़ावा दे रहे हैं। प्रो. के.पी. सिंह के कुशल मार्गदर्शन व दिशा-निर्देशानुसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबीक) लगातार वेबीनार आयोजित करवा रहा है। इसी श्रंखला को आगे बढ़ाते हुए 29 मई को एक और वेबीनार का आयोजन श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी के कुलपति श्री राज नेहरू जी और एसीबी कंपनी के वाईस प्रेसिडेंट (सीएसआर) श्री दलेल सिंह द्वारा करवाया जाएगा। मुख्य अतिथि के रूप में श्री नेहरू जी

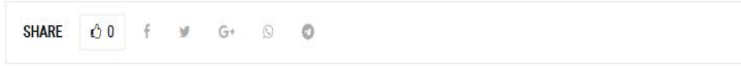
कौशल विकास और स्टार्टअप स्किल्स पर अपने विचार सांझा करेंगे। वहीं श्री दलेल सिंह एंटरप्रेन्योरशिप की महत्ता और भविष्य में इसकी संभावनाओं पर प्रकाश डालेंगे। सभी युवा उद्यमियों, किसानों व विद्यार्थियों से विशेष अपील है कि इच्छुक व्यक्ति 29 मई को होने वाले वेबिनार में भाग लेने के लिए abiccshau@gmail.com पर मेल करें। ज्ञात रहे कि एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर के साथ जुड़कर एग्री स्टार्टअप्स अपने बिजनेस को नए आयाम दे रहें हैं। उन्होंने छात्रों व किसानों से आह्वान किया कि वे एबीक से जुड़कर कृषि क्षेत्र में अपने नए स्टार्टअप्स शुरू कर सकते हैं ताकि युवा उद्यमी अपने नवाचार को बिजनेस मॉडल में बदलकर इसे अपने तक सीमित न रखकर ज्यादा से ज्यादा प्रचार व प्रसार कर रोजगार निर्माण में भागीदार बनें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (जीवन आधार)	01.06.2020	---	---

कोरोना वायरस से बचाव के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में अल्ट्रा वायलेट विकिरण आधारित कागजात कीटाणुशोधन प्रणाली विकसित की



हिसार,

कोरोना वायरस एक वैश्विक महामारी है तथा इसके उपचार सम्बंधित अनुसंधान विश्वभर में जारी है। वर्तमान समय में केवल बचाव ही इस बीमारी का इलाज है। इस कारण लोगो द्वारा अपनी जीवन शैली में बदलाव के साथ-साथ सार्वजनिक स्थानों पर कामकाज के दौरान सावधानी रखना आवश्यक है। सार्वजनिक कार्यालयों में कागजातों का आवागमन इस बीमारी के संक्रमण का कारण बन सकता है। अतः इन कागजातों का कीटाणुशोधन बहुत आवश्यक है। पूर्व अनुसंधान के अनुसार, अल्ट्रा वायलेट (पराबैंगनी) विकिरण विशेषकर अल्ट्रा वायलेट-सी सूक्ष्म जीवों को नष्ट करने में सक्षम होती है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. केपी सिंह जी के दिशा-निर्देश अनुसार, एक अल्ट्रा वायलेट विकिरण आधारित कागजात कीटाणुशोधन प्रणाली का विकास किया गया है। यह उपकरण विकिरण द्वारा कागजातों का कीटाणुशोधन लगभग 10 मिनट में कर देता है। वर्तमान समय में इस उपकरण को विश्वविद्यालय के कुलपति कार्यालय में स्थापित किया गया है। इसके निर्माण में 5000 रुपए के लगभग खर्च आया है। इस उपकरण का निर्माण कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिकों इंजी सुनील कुमार और डॉ. अरुण कुमार अटकान द्वारा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सहयोग से किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह जी ने इस अल्ट्रा वायलेट विकिरण आधारित कागजात कीटाणुशोधन प्रणाली की सराहना की और इस उपकरण के इस्तेमाल को कोरोना वायरस से बचाव में उपयोगी बताया। उन्होंने यह अपील भी की कि देश के सुरक्षा चक्र को बनाये रखने में हर योगदान प्रशंसनीय व सराहनीय होता है। इस दौरान विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एमके गर्ग, कुलसचिव डॉ. बीआर कम्बोज, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरके झोरड़ एवं एसपीएस सुरेंद्र सलूजा भी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	01.06.2020	---	---

कोरोना वायरस से बचाव हेतु H.A.U., हिसार में अल्ट्रा वायलेट विकिरण आधारित कागजात कीटाणुशोधन प्रणाली विकसित की गई

June 1, 2020 - Rakesh - Haryana News

यूनिक हरियाणा हिसार: 1 जून

कोरोना वायरस एक वैश्विक महामारी है तथा इसके उपचार सम्बंधित अनुसंधान विश्वभर में जारी है। वर्तमान समय में केवल बचाव ही इस बीमारी का इलाज है। इस कारण लोगों द्वारा अपनी जीवन शैली में बदलाव के साथ-साथ सार्वजनिक स्थानों पर कामकाज के दौरान सावधानी रखना आवश्यक है। सार्वजनिक कार्यालयों में कागजातों का आवागमन इस बीमारी के संक्रमण का कारण बन सकता है। अतः इन कागजातों का कीटाणुशोधन बहुत आवश्यक है। पूर्व अनुसंधान के अनुसार, अल्ट्रा वायलेट (पराबैंगनी) विकिरण विशेषकर अल्ट्रा वायलेट-सी सूक्ष्म जीवों को नष्ट करने में सक्षम होती हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह जी के दिशा-निर्देश अनुसार, एक अल्ट्रा वायलेट विकिरण आधारित कागजात कीटाणुशोधन प्रणाली का विकास किया गया है।



यह उपकरण विकिरण द्वारा कागजातों का कीटाणुशोधन लगभग 10 मिनट में कर देता है। वर्तमान समय में इस उपकरण को विश्वविद्यालय के कुलपति कार्यालय में स्थापित किया गया है। इसके निर्माण में 5000 रूपय के लगभग खर्च आया है। इस उपकरण का निर्माण कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिकों इंजी सुनील कुमार और डॉ. अरुण कुमार अटकान द्वारा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सहयोग से किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह जी ने इस 'अल्ट्रा वायलेट विकिरण आधारित कागजात कीटाणुशोधन प्रणाली' की सराहना की और इस उपकरण के इस्तेमाल को कोरोना वायरस से बचाव में उपयोगी बताया। उन्होंने यह अपील भी की कि देश के सुरक्षा चक्र को बनाये रखने में हर योगदान प्रशंसनीय व सराहनीय होता है। इस दौरान विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.के. गर्ग, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कन्वोज, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर.के. झोरड़ एवं एसपीएस श्री सुरेंद्र सलूजा भी उपस्थित रहे।